

प्रश्नक,

डॉ० एम०सी० जोशी,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,

उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा),

देहरादून

ऊर्जा विभाग

विषय:

वित्तीय वर्ष 2006-07 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रमों के लिए वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं० 876/1/2007-03(1)/32/2006, दिनांक 08.02.2007 द्वारा वित्तीय वर्ष 2006-07 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिए राज्य योजना के अन्तर्गत अनुदान सं० 21 से रु० 35079.00 हजार (रु० तीन करोड़ पचास लाख उन्चासी हजार मात्र) की धनराशि सलनक में उल्लिखित धनराशि बी०एम० 15 के माध्यम से अवमुक्त की गई थी। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त शासनादेश के लेखाशीर्षक के सलनक के कमांक 3 पर अधिकतम लेखाशीर्षक को निम्नानुसार पढ़ा जाय:-

"2810-वैकल्पिक ऊर्जा-03-वायु ऊर्जा कार्यक्रम-आयोजनागत-101-वायु ऊर्जा-03-उरेडा के लिए अनुदान-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहयोग"  
2- उपरोक्त के अतिरिक्त उक्त शासनादेश के बी०एम० 15 के कॉलम-5 की रु० 60.22 लाख की व्यावर्तन की दृष्टी योजना पर अधिकतम लेखाशीर्षक के स्थान पर निम्नानुसार लेखाशीर्षक पढ़ा जाय:-

"2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-800-अन्य-05-परियोजनाओं का किया-व्ययन-01-उरेडा के लिए अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहयोग"  
3- उक्त शासनादेश दिनांक 08.02.2007 को केवल उक्त सीमा तक ही संशोधित समझा जाय। इसकी शेष सभी शर्तें पूर्ववत् ही रहेंगी।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 2158/XXVII(2)/2007, दिनांक 28 मार्च, 2007 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहे हैं।

भवदीय

(डॉ० एम०सी० जोशी)  
अपर सचिव

संख्या: I/2007-3(1)/32/2006, तद्विनांक।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून।
3. कोषाधिकारी, देहरादून।
4. श्री एलएएम० पन्त, अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. सचिव, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन/एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
6. वित्त अनुभाग-2
7. नियोजन विभाग
8. प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री जी के संचालन में लाने हेतु।
9. गार्ड फाईल।



(छो पम०सी० जारी)  
अपर सचिव